कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–013

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.वी.एस.–013 : ग्रह एवं व्यावसायिक वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–अ

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. पठित अंश के आधार पर कक्ष-विन्यास सम्बन्धी नियमों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. शाला एवं अलिन्द विचार के सैद्धान्तिक स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. ग्रहप्रवेश सम्बन्धी मुहूर्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. वास्तुदोष का क्या अभिप्राय है ? पठित अंश के आधार पर वास्तुदोष का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. तल, छत एवं सोपान विचार का विस्तार से पर्णन कीजिए।

6. ग्रहप्रवेश विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड–ब

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान ह।* $4 \times 10 = 40$

1. घर के अन्दर की व्यवस्था को गहाभ्यन्तर व्यवस्था कहते हैं। ग्रहाभ्यन्तर व्यवस्था के नियमों का वर्णन कीजिए।

2. घर से समीप किस कोटि के वृक्षों का रोपण करना चाहिए ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र में जलव्यवस्था से क्या अभिप्राय है ? वर्णन कीजिए।

4. पशुओं एवं वाहनों के स्थान के लिए वास्तु के किन नियमों का पालन करना चाहिए ? उल्लेख कीजिए।

5. जीर्णोद्धार विधि का उल्लेख कीजिए।

6. वास्तुशास्त्र एवं उद्योग पर टिप्पणी लिखिए।

7. प्रतिष्ठानों के सम्बन्ध में वास्तुशास्त्र के नियमों का उल्लेख कीजिए।

8. व्यावसायिक वास्तु के लिए क्या मुहूर्त्त हैं ? संक्षेप में मुहूर्तों का वर्णन कीजिए।